>

Title: Regarding the slow progress of guage conversion work connecting Saharsa with Radhopur via Supaul in Bihar.

श्री विश्व मोहन कुमार (सुपौल): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। सहरसा से फारबिसगंज वाया सुपौल आमान परिवर्तन का मामला बहुत दिनों से लंबित पड़ा हुआ है। इसमें वर्षों से काम चल रहा है लेकिन अभी तक सरकार के उदासीन रवैये के चलते इस पर काम नहीं हो रहा है। बजट में पैसे का प्रावधान नहीं किया जाता है जिसके कारण काम सुचारू रूप से नहीं होता है। राघोपुर से फारबिसगंज कनवर्शन के नाम पर दो साल पहले आवागमन बंद कर दिया गया, पटरी को उखाड़ दिया गया लेकिन अभी तक उस पर काम शुरू नहीं हुआ है जिसका परिणाम यह है कि मुसाफिरों को डबल या ट्रिपल पैसा देकर आवागमन करना पड़ता है। वहाँ बहुत पैसा लगाकर लोगों को सफर करना पड़ता है। पहले भी शून्यकाल के मार्फत और नियम 377 के तहत मैंने सरकार से मांग की है। क्योंकि यह नेपाल की सीमा से जाता है और आप जानते हैं कि चीन नेपाल के बार्डर तक अपनी रेल लाईन पहुँचाने का काम कर रहा है, इसलिए मैं चाहूँगा कि सरकार इस पर ध्यान देकर जल्दी से जल्दी इस काम को पूरा करवाए।

SHRI SATPAL MAHARAJ (GARHWAL): Sir, I seek your permission to speak from this place.

MR. CHAIRMAN: Okay, you can speak from there.